आईडिया जनरेशन प्रतियोगिता का आयोजन

गोहाना, 18 मार्च (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्टार्टअप इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन द्वारा एक दिवसीय इन्जेन टी एक्सपो 2025 आईडिया जनरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता उक्त केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ अंशु भारद्वाज ने की। डॉ. अंशु भारद्वाज ने बताया कि इस कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य विश्वविद्यालय में उद्यमशीलता संस्कृति को बनाए रखना है। इस अवसर पर बतौर मुख्य वक्ता एम एस एम ई मंत्रालय ,नई दिल्ली से असिस्टेंट डायरेक्टर सतीश कुमार ने सिरकत कर उपस्थित छात्राओं को संबोधित किया।

पंजाब केसरी
WED, 19 MARCH 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

योजनाबद्ध परिवर्तन की विशेष किस्में हैं रचनात्मकता और नवाचार : सतीश कुमार

गोहाना, 18 मार्च (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के सैंटर फॉर स्टार्टअप इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन द्वारा मंगलवार को एक दिवसीय 'इंजन टी एक्सपो 2025 आइडिया जैनरेशन प्रतियोगिता' आयोजित की गई।

अध्यक्षता सैंटर की नोडल अधिकारी डॉ. अंशु भारद्वाज ने की। मुख्य वक्ता केंद्र सरकार के एम.एस.एम.ई. मंत्रालय के असिस्टैंट डायरैक्टर सतीश कुमार रहे।

सतीश कुमार ने कहा कि रचनात्मकता और नवाचार योजनाबद्ध परिवर्तन की विशेष किस्में हैं, जिन्हें उद्यमी अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से तलाशते हैं। व्यवसाय एक रचनात्मक गतिविधि है। उन्होंने कहा कि आज व्यवसाय में सफलता के लिए निरंतर नवाचार की आवश्यकता होती है। समस्याओं के लिए नए समाधान ढूंढना और बदलते बाजार के लिए नए उत्पादों या सेवाओं का आविष्कार करने की क्षमता, बौद्धिक पूंजी का हिस्सा हैं।

सतीश कुमार ने बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न प्रकारों जैसे पेटैंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, व्यापार रहस्य, औद्योगिक डिजाइन, भौगोलिक इंडिकेशन के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि पेटैंट किसी आविष्कार को सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आविष्कारक को 20 साल तक उस आविष्कार को बनाने, उपयोग करने या बेचने का अधिकार प्राप्त होता है तथा कॉपीराइट साहित्यिक और कलात्मक कार्यों, जैसे किताबें, संगीत, चित्र की अभिव्यक्ति की सुरक्षा करता है।

महिला विश्वविद्यालय में हुई प्रतियोगिताओं की विजेता छात्रएं। (अरोड़ा)

अपशिष्ट प्रबंधन की बढ़ती समस्या ने नए सिरे से सोचने को किया मजबूर

सतीश कुमार ने अपशिष्ट पर बोलते हुए कहा कि बढ़ते शहरीकरण और उसके प्रभाव से निरंतर बदलती जीवनशैली ने आधुनिक समाज के सम्मुख घरेलू तथा औद्योगिक स्तर पर उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट के उचित प्रबंधन की गंभीर चुनौती प्रस्तुत की है। वर्ष-दर-वर्ष न केवल अपशिष्ट की मात्रा में बढ़ौतरी हो रही है, बल्कि प्लास्टिक और पैकेजिंग सामग्री की बढ़ती हिस्सेदारी के साथ ठोस अपशिष्ट के स्वरूप में भी बदलाव नजर आ रहा है। उनके अनुसार हालांकि अपशिष्ट प्रबंधन की बढ़ती समस्या ने देश को इस विषय पर नए सिरे से सोचने को मजबूर किया है।

कार्यक्रम के संगठन सचिव डॉ. ए.पी. नायक ने बताया कि एग्रीकल्चर साइंस प्रतियोगिता में छात्रा अश्विन, बेसिक साइंस प्रतियोगिता में तमन्ना, इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी में हिमांशी, हैल्थ साइंस में दीक्षा, सोशल साइंस में तनीषा तथा इंटर डिसिप्लिनरी में विजेता प्रथम स्थान पर रही। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका सतीश कुमार, डॉ. सुमन कुहाड़, डॉ. प्रमोद मलिक, डॉ. सुनीता और डॉ. ज्योति ने निभाई।

योजनाबद्ध परिवर्तन की किस्में हैं रचनात्मकता और नवाचार

गोहाना मुद्रिका एप, 18 मार्च : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर स्टार्टअप इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन द्वारा मंगलवार को एक दिवसीय "इंजन टी एक्सपो 2025 आइडिया जेनरेशन प्रतियोगिता" आयोजित की गई। अध्यक्षता सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ अंशु भारद्वाज ने की। मुख्य वक्ता केंद्र सरकार के एम.एस.एम.ई. मंत्रालय के असिस्टेंट डायरेक्टर सतीश कुमार रहे।

सतीश कुमार ने कहा कि रचनात्मकता और नवाचार योजनाबद्ध परिवर्तन की विशेष किस्में हैं ,जिन्हें उद्यमी अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से तलाशते हैं। व्यवसाय एक रचनात्मक गतिविधि है।

उन्होंने कहा कि आज व्यवसाय में सफलता के लिए निरंतर नवाचार की आवश्यकता होती है। समस्याओं के लिए नए समाधान ढूंढना और बदलते बाजार के लिए नए उत्पादों या सेवाओं का आविष्कार करने की क्षमता, बौद्धिक पूंजी का हिस्सा हैं।

सतीश कुमार ने बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न प्रकारों जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, व्यापार रहस्य, औद्योगिक डिजाइन, भौगोलिक इंडिकेशन के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि पेटेंट किसी आविष्कार को सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आविष्कारक को 20 साल तक उस आविष्कार को बनाने, उपयोग करने या बेचने का अधिकार प्राप्त होता है तथा कॉपीराइट साहित्यिक और कलात्मक कार्यों ,जैसे किताबें, संगीत, चित्र की अभिव्यक्ति की सुरक्षा करता है।

सतीश कुमार ने अपशिष्ट पर बोलते हुए कहा कि बढ़ते शहरीकरण और उसके प्रभाव से निरंतर बदलती जीवनशैली ने आधुनिक समाज के सम्मुख घरेलू तथा औद्योगिक स्तर पर उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट के उचित प्रबंधन की गंभीर चुनौती प्रस्तुत की है। वर्ष-दर-वर्ष न केवल अपशिष्ट की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है, बल्कि प्लास्टिक और पैकेजिंग सामग्री की बढ़ती हिस्सेदारी के साथ ठोस अपशिष्ट के स्वरूप में भी बदलाव नज़र आ रहा है।

उनके अनुसार हालांकि अपशिष्ट प्रबंधन की बढ़ती समस्या ने देश को इस विषय पर नए सिरे से सोचने को मज़बूर किया है और इस संदर्भ में कई तरह के सराहनीय प्रयास भी किये जा रहे हैं, परंतु इस प्रकार के प्रयास अभी तक देश भर में व्यापक स्तर पर अपशिष्ट प्रबंधन की समस्या से निपटने के लिये अपनी उपयोगिता साबित करने में नाकाम रहे हैं।

कार्यक्रम के संगठन सचिव डॉ. ए.पी. नायक ने बताया कि एग्रीकल्चर साइंस प्रतियोगिता में छात्रा अश्विन, बेसिक साइंस प्रतियोगिता में तमन्ना, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में हिमांशी, हेल्थ साइंस में दीक्षा , सोशल साइंस में तनीषा तथा इंटर डिसिप्लिनरी में विजेता प्रथम स्थान पर रहीं।

प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका सतीश कुमार, डॉ. सुमन कुहाड़, डॉ. प्रमोद मलिक, डॉ. सुनीता और डॉ. ज्योति ने निभाई।

आइडिया जनरेशन प्रतियोगिता में अश्विन समेत 6 छात्राएं रहीं विजेता

गोहाना. विजेता छात्राओं के साथ निर्णायक मंडल के सदस्य।

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि के सेंटर फॉर स्टार्टअप इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन द्वारा मंगलवार को एक दिवसीय इन्जेन-टी एक्सपो-2025 आइडिया जनरेशन प्रतियोगिता आयोजित की गई। विवि में उद्यमशीलता संस्कृति को बनाए रखने के उद्देश्य से आयोजित प्रतियोगिता में छात्राओं ने विभिन्न विषयों में अपनी प्रतिभा दिखाई।

इस दौरान एग्रीकल्चर साइंस में छात्रा अश्विन, बेसिक साइंस में तमन्ना, इंटर डिसीप्लीनरी में विजेता, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में हिमांशी, हेल्थ साइंस में दीक्षा व सोशल साइंस में तनीषा विजेता रहीं। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका सतीश कुमार, डॉ. सुमन कुहाड़, डॉ. प्रमोद मलिक, डॉ. सुनीता व डॉ. ज्योति ने निभाई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अंशु भारद्वाज ने की, जबकि एमएसएमई मंत्रालय,नई दिल्ली से असिस्टेंट डायरेक्टर सतीश कुमार मुख्य वक्ता रहे। सतीश कुमार ने कहा कि रचनात्मकता और नवाचार योजनाबद्ध परिवर्तन की विशेष किस्में हैं, जिन्हें उद्यमी अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से तलाशते हैं। व्यवसाय एक रचनात्मक गतिविधि है। आज व्यवसाय में सफलता के लिए निरंतर नवाचार की आवश्यकता होती है। समस्याओं के लिए नए समाधान ढूंढना और बदलते बाजार के लिए नए उत्पादों या सेवाओं का आविष्कार करने की क्षमता, बौद्धिक पूंजी का हिस्सा हैं। इस मौके पर कार्यक्रम के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. एपी नायक भी मौजूद रहे।

व्यवसाय एक रचनात्मक गतिविधि है : सतीश

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के सेंटर फार स्टार्टअप इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन द्वारा इंजेन टी एक्सपो 2025 आइडिया जेनरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय से सहायक निदेशक सतीश कुमार ने छात्राओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रचनात्मकता और नवाचार योजनाबद्ध परिवर्तन की विशेष किस्में हैं, जिन्हें उद्यमी अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए तलाशते हैं।

व्यवसाय एक रचनात्मक गतिविधि है। उन्होंने कहा कि व्यवसाय में सफलता के लिए निरंतर नवाचार की आवश्यकता है। समस्याओं के लिए नए समाधान ढूंढना और बदलते बाजार के लिए नए उत्पादों या सेवाओं का आविष्कार करने की

सतीश कुमार को पुष्प गुच्छ भेंट करते डा. अंशु भारद्वाज व डा. एपी नायक ●

क्षमता, बौद्धिक पूंजी का हिस्सा हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र की नोडल अधिकारी डा. अंशु भारद्वाज ने की। डा. एपी नायक ने बताया कि एग्रीकल्चर साइंस प्रतियोगिता में अश्विन, बेसिक साइंस प्रतियोगिता में तमन्ना, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी में हिमांशी, हेल्थ साइंस में दीक्षा, सोशल साइंस में तनीषा और इंटर डिसिप्लिनरी में विजेता ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कुलपति ने शैक्षणिक व्यवस्था से राज्यपाल को अवगत कराया

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुदेश ने राज्य के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय से हरियाणा राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। कुलपति ने तीन साल के लिए दोबारा उन पर विश्वास जताने के लिए कुलाधिपति का आभार व्यक्त किया।

कुलपति ने राज्यपाल को विश्वविद्यालय की वित्तीय एवं शैक्षणिक व्यवस्था से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में छात्राओं के लिए पहले से स्थापित यूनिवर्सिटी सेंटर फार कांम्पिटिटिव एग्जाम के अंतर्गत संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित आइएएस की निश्शुल्क तैयारी के लिए योजना पर काम किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में पढ़ाई, खेल व अन्य गतिविधियों के माध्यम से 7000 ग्रामीण प्रतिभा को निखारने

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से भेंट करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश। सौ. प्रवक्ता

का काम किया जा रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी इंजीनियरिंग कोर्स के लिए नेशनल बोर्ड आफ एक्रीडेशन, टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट से मान्यता के लिए और चार वर्षीय इंटीग्रेटेड टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम एन सीटीई द्वारा मान्यता के लिए प्रोसेस में है। राज्यपाल ने सरकार की तरफ से विश्वविद्यालय को प्रगति यात्रा में जरूरी सहयोग का आश्वासन दिया।

बेसिक विज्ञान प्रतियोगिता में तमन्ना रही विजेता

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां के सेंटर फॉर स्टार्टअप इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन की ओर से इन्जेन टी एक्सपो 2025 आइडिया जनरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता एमएसएमई मंत्रालय से सहायक निदेशक सतीश कुमार पहुंचे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेंटर फॉर स्टार्टअप इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन की नोडल अधिकारी डॉ अंशु भारद्वाज ने की। कार्यक्रम के ऑर्गेनाइजिंग सचिव डॉ. एपी नायक ने बताया कि कृषि विज्ञान प्रतियोगिता में छात्रा अश्विन विजेता रही। बेसिक विज्ञान प्रतियोगिता में तमन्ना विजेता रही। इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी में हिमांशी, स्वास्थ्य विज्ञान में दीक्षा, सामाजिक विज्ञान में तनीषा और इंटर डिसीप्लनरी में विजेता ने बाजी मारी। संवाद

एक दिवसीय इन्जेन टी एक्सपो 2025 आइडिया जनरेशन प्रतियोगिता

व्यवसाय में सफलता के लिए निरंतर नवाचार जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विवि खानपुर कलां के सेंटर फॉर स्टार्टअप इनोवेशन एंड इंक्यूबेशन द्वारा एक दिवसीय इन्जेन टी एक्सपो 2025 आईडिया जनरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उक्त केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. अंशु भारद्वाज ने की। उनके अनुसार इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य विवि में उद्यमशीलता संस्कृति को बनाए रखना है। मुख्य वक्ता एमएसएम ई मंत्रालय, नई दिल्ली से असिस्टेंट डायरेक्टर सतीश कुमार ने कहा कि रचनात्मकता व नवाचार योजनाबद्ध परिवर्तन की

गोहाना। निर्णायक मंडल के सदस्यों के साथ विजेता छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

विशेष किस्में हैं, जिन्हें उद्यमी अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से तलाशते हैं। व्यवसाय एक रचनात्मक गतिविधि है। व्यवसाय में सफलता के लिए निरंतर नवाचार की आवश्यकता होती है। समस्याओं के लिए नए समाधान ढूंढना और बदलते बाजार के लिए नए उत्पादों या सेवाओं का आविष्कार करने की क्षमता, बौद्धिक पूंजी का हिस्सा हैं। सतीश कुमार ने बौद्धिक संपदा अधिकार के विभिन्न प्रकारों जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, व्यापार रहस्य, औद्योगिक डिजाइन, भौगोलिक इंडिकेशन के बारे में विस्तार से बात की। बताया कि पेटेंट किसी आविष्कार को सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आविष्कारक को 20 साल तक उस आविष्कार को बनाने, उपयोग करने या बेचने का अधिकार प्राप्त होता है व कॉपीराइट साहित्यिक और कलात्मक कार्यों जैसे किताबें, संगीत, चित्र की अभिव्यक्ति की सुरक्षा करता है। मुख्य वक्ता ने अपशिष्ट पर बोलते कहा कि बढ़ते शहरीकरण और उसके प्रभाव से निरंतर बदलती जीवनशैली ने आधुनिक समाज के सम्मुख घरेलू तथा औद्योगिक स्तर पर उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट के उचित प्रबंधन की गंभीर चुनौती प्रस्तुत की है।

प्रतियोगिता की विजेता छात्राएं

कार्यक्रम के ऑर्गेनाइजिंग सक्रेटरी डॉ. ए पी नायक के अनुसार एग्रीकल्चर साइंस प्रतियोगिता में छात्रा अश्विन, बेसिक साइंस प्रतियोगिता में तमन्ना, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में हिमांशी, हेल्थ साइंस में दीक्षा और सोशल साइंस में तनीषा तथा हंटर डिसिप्लिनरी में विजेता ने बाजी मारी। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका सतीश कुमार, डॉ. सुमन कुठाड़, डॉ. प्रमोद मलिक, डॉ. सुनीता व डॉ. ज्योति ने निभाई।